



छिपाएंगे गही, छापेंगे



facebook-Subharti Tv



Twitter-Subharti Tv

लखनऊ, रविवार, 03 मई 2020, मूल्य : 2.00, पृष्ठ : 08

उत्तर प्रदेश-उत्तराखण्ड से प्रकाशित

अभी 14 दिन और झेलनी होगी तालाबंदी

-8

www.subhartimedia.com

प्रभात

राजधानी

रविवार
लखनऊ, 03 मई 2020

3

भारतीय प्रोफेसर को पढ़ेंगे नासा के शोधकर्ता

उत्तराखण्ड

विश्व के प्रतिष्ठित संस्थान में एसएमएस की पुस्तक का दो चैप्टर जुड़ा

लखनऊ-प्रभात

CLIMATE CHANGE REALITIES, IMPACTS OVER ICE CAP, SEA LEVEL AND RISKS



डॉ.भरतराज सिंह

National resources are being increasingly used to combat climate change. This book presents the fundamental effect on the origin of climate change, impact over sea level, melting of Arctic ice, rise in sea level and related technologies that can be implemented to combat our need for agriculture, growing demand for water and the issue of terrorism.

CLIMATE CHANGE REALITIES, IMPACTS OVER ICE CAP, SEA LEVEL AND RISKS

Edited by Bharat Raj Singh



विश्व के प्रतिष्ठित संस्थान राष्ट्रीय स्नो एवं आइस डाटा सेंटर, नासा में प्रोफ. भरत राज सिंह वरिष्ठ पर्यावरणविद व महानिदेशक स्कूल आफमैनेजमेन्ट साइंसेस (संबद्ध एकेटीयू विश्वविद्यालय) लखनऊ की जलवायु परिवर्तन (क्लाइमेट चेंज-2013) की पुस्तक जो क्रोशिया से प्रकाशित हुई थी के दो अध्यायों को विश्व के अनुसंधानकर्ताओं के अग्रिम शोध में उपयोग के लिये जोड़ा गया है। यहां यह भी अवगत कराना है कि यह वही पुस्तक है जिसका अध्याय-3 का अंश संयुक्त राज्य अमेरिका में 9-12 के ग्रेड के छात्रों के पाठ्यक्रम-2014 में समिल किया गया है तथा लिम्का बुक रिकार्ड-2015 में प्रकाशित कर डॉ. सिंह को सम्मानित किया गया। अब उसी पुस्तक के अध्याय-9 और 10 को 'नेशनल स्नो एवं आइस डाटा सेंटर, नासा' में सम्मिलित करना प्रोफेसर भरत राज सिंह के साथ-साथ विश्वविद्यालय तथा एसएमएस कालेज के लिए एक बड़े सम्मान की बात है।

अभी चार-पांच दिन पूर्व भी डॉ.भरत राज सिंह की अन्य पुस्तक ग्लोबल वार्मिंग टूकाजेज, इम्पैक्ट एंड रेमेडीज, जो क्रोशिया में अप्रैल 2015 में प्रकाशित हुयी थी, में उल्लिखित पाइन-आइसबर्ग का पहाड़ जो 10-12 जुलाई 2017 में तीन साल पहले अंटार्कटिका (दक्षिणी ध्रुव) टूटा था, उसका एक बड़ा भाग 23 अप्रैल 2020 को पुनः अलग हो गया है। इस आइसबर्ग की लम्बाई 19 किलोमीटर है और आकार करीब 175 वर्ग किलोमीटर है। इसे देखने से ऐसा लगता है कि यह दक्षिणी अमेरिका के नीचे की तरफदक्षिणी जॉर्जिया और दक्षिणी सैंचविच आइलैंड के खुले समुद्र में गर्म क्षेत्र की तरफ बढ़ रहा है। इसके पिघलने के उपरांत समुद्र के पानी की सतह लगभग 342 मीटर (10.11 फीट) बढ़ जायेगी और विश्व के कई निचले हिस्से ढूब जायेगे और विना पिघला हुआ हिस्सा जो 2000-2700 वर्ग किलोमीटर का होगा, उसके टक्कर व समुद्री तूफनों से भारी नुकसान होने से नकारा नहीं जा सकता है।